ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय-हिन्दी

क्या निराश हुआ जाए

दिनांक—05/10/2020 --आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

एन सी इ आर टी पर आधारित

क्या निराश हुआ जाए
~~~~~~~~~~

शब्दार्थ-

गह्वर -- गड्ढा, गहराई

भीरु -- डरपोक

आस्था --विश्वास

निकृष्ट -- बेकार

भ्रष्टाचार -- बुरा आचरण

अवांछित – अनचाही

वंचना -- धूर्तता

पर्दाफाश करना - भेद खोलना

परीक्षित -- कसौटी पर अजमाए हुए

मनुष्य निर्मित -- मनुष्य द्वारा बनाई गई

दकियानूसी -- पुराने विचारों से चिपका रहने वाला

पर्दाफाश करना -- भेद खोलना

श्रमजीवी -- मेहनत करके पेट भरने वाला

आलोड़ित -- उथल-पुथल युक्त, हिलोरें लेता हुआ

मनीषी -- विद्वान

निरीह -- असहाय

विकार -- बुराई

प्रतिष्ठा -- सम्मान

गंतव्य --जहाँ जानना हो

कतर मुद्रा –डरा हुआ

उद्घाटित – उजागर करना

विधि-निषेध – न करने के नियम

विश्वासघात – विश्वास को तोड़ना

मूल्य –जीवन मूल्य

दोषोद्घाटन—बुराइयाँ बताना

छात्र कार्य

दी गई पाठ्य सामग्री को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखे एवं याद करें।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”